अभ्यास पत्रक

पाठ – गीत-अगीत

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहीं खींच लाता है।"

1. यह आल्हा कौन गाता है और किस समय?

उत्तर - .....

2. इस आल्हा गीत का प्रेमिका पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर - .....

3. यहाँ आल्हा गीत प्रेम का प्रतीक क्यों माना गया है?

उत्तर - .....

2. कथन और कारण पर आधारित प्रश्न (Assertion-Reason) – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** कवि ने 'गीत' और 'अगीत' दोनों को सुंदर कहा है।
   कारण: क्योंकि दोनों भावनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम हैं।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** कविता में केवल मनुष्य के गीत की ही प्रशंसा की गई है।
   कारण: कवि ने प्रेमिका और आल्हा गाने वाले प्रेमी को ही मुख्य पात्र बनाया है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (5x1=5 अंक)

6. 'कड़ी गीत की बिधना' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - .....
.....

7. कविता में प्रेमी कौन-सा लोकगीत गा रहा है?

उत्तर - .....
.....

8. कविता में प्रेमिका प्रेमी का गीत कैसे सुनती है?

उत्तर - .....
.....

9. कवि ने किसके 'फूल रहे अंत:' का उल्लेख किया है?

egyanarchive

उत्तर - .....

.....

10. कविता में किस अंतर्द्वंद्व की प्रस्तुति हुई है?

उत्तर - .....

.....

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. कवि को क्या लगता है – उसका गाया गीत सुंदर है या प्रकृति का मौन 'अगीत'?

उत्तर - .....

.....

.....

12. प्रेमिका की स्थिति कविता में किस प्रकार मार्मिक रूप में चित्रित की गई है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. 'गीत' और 'अगीत' के बीच कवि किस प्रकार तुलना करता है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. कविता 'गीत-अगीत' में दिनकर ने भावनाओं की गहराई को किस प्रकार प्रकट किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. 'गीत केवल शब्द नहीं, अनुभूति है' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanarchive

उत्तर कुंजी

1. प्रेमी शाम के समय आल्हा गीत गाता है।
2. गीत सुनकर प्रेमिका खिंचकर वन की ओर चली आती है।
3. क्योंकि यह गीत प्रेम को व्यक्त करता है जो मौन रहकर भी दिल को छूता है।
4. (क)
5. (घ)
6. प्रेमिका सोचती है कि वह भी उस गीत की एक कड़ी बन पाती, पर नियति ने ऐसा नहीं होने दिया।
7. आल्हा नामक प्रसिद्ध लोकगीत।
8. चोरी-छिपे, वन में छिपकर।
9. प्रेमिका का अंतर फूल रहा है।
10. मानव द्वारा गाए गीत और प्रकृति के मौन 'अगीत' के सौंदर्य का अंतर्द्वंद्व।
11. कवि स्पष्ट रूप से निर्णय नहीं करता, पर संकेत देता है कि अगीत की मौनता भी उतनी ही सुंदर है।
12. प्रेमिका प्रेमी के गीत को सुनती है, भीतर आनंद से भर जाती है, पर उसका मौन रह जाना भावनाओं की तीव्रता दर्शाता है।
13. कवि गीत को श्रव्य और अगीत को अनुभूतिपरक कहता है, दोनों को सुंदर मानता है – एक शब्दों से, एक मौन से।
14.

दिनकर ने 'गीत-अगीत' कविता में मानवीय संवेदनाओं की गहराई को अत्यंत सुंदरता से उकेरा है। उन्होंने बताया है कि केवल वह गीत नहीं जो बोला या गाया गया हो, बल्कि वह मौन भावनाएँ भी गीत के समान सुंदर होती हैं, जो दिल से निकलती हैं। कवि ने प्रेमी-प्रेमिका, शुक-शुकी, और नदी-गुलाब के माध्यम से प्रेम, मौनता और अनुभूति को दर्शाया है। प्रेमिका का चुपचाप प्रेमी का गीत सुनना और भावविभोर हो जाना एक ऐसा 'अगीत' है जो शब्दों में नहीं बंधता पर आत्मा को गहराई से छूता है। इसी मौन सौंदर्य को कवि ने गीत से श्रेष्ठ बताने का प्रयास किया है।

15.

गीत केवल उच्चारित शब्द नहीं होते, वे तो आत्मा की गहराइयों से उपजी भावनाएँ होती हैं। कभी शब्दों के माध्यम से तो कभी मौन से – गीत हमारी अनुभूतियों को व्यक्त करते हैं। जब एक प्रेमिका अपने प्रेमी का गीत सुनती है और कुछ बोले बिना ही उस गीत को पूरी आत्मा से महसूस करती है, तब वह भी एक गीत बन जाती है – एक मौन गीत। दिनकर की कविता 'गीत-अगीत' इसी विचार को पुष्ट करती है। प्रकृति, जैसे नदी का बहाव, गुलाब की मूकता, शुकी की भावना – ये सभी ऐसे अगीत हैं जो बोले नहीं जाते, फिर भी हृदय को झंकृत कर देते हैं। आज के यंत्रवत् जीवन में भी जब कोई संगीत बिना बोल के बजता है और हमारी आंखें नम हो जाती हैं, तो समझना चाहिए कि वह एक अगीत है – अनुभूति का गीत। इसीलिए कहा गया है कि गीत केवल लय या शब्द नहीं, वह अनुभूति है – जो भीतर बहती है, आत्मा को छूती है और मौन रहकर भी सब कुछ कह जाती है।